# पोटात दुखणे

आरोग्यविद्या डॉ.शाम अष्टेकर

| कसे दुखते | | | कोठे | | इतर | | | विशेष बाबी | आजार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जळजळ | कळ | मंद दुखणे | विशिष्ट जागी | सर्वत्र | ताप | जुलाब | उलटी | ह : हमखास क : कधीकधी<br>ब : बहुधा उ : उशीरा | साधा आजार (हिरवा)<br>मध्यम आजार (पिवळा)<br>गंभीर आजार (लाल) |
| क | ब | क | २,५ | | | ब | ब | करपट ढेकरा, वायू, मळमळ.<br>१/२ दिवसांतल्या जेवणाची माहिती घ्या. | अपचन |
| ब | क | क | २,५ | | | | क | विशिष्ट आहाराने वेदना कमी जास्त | आम्लता,जठर, दाह, जठर व्रण. |
| | | ब | १,२ | | ब | | क | १-२ मध्ये दाबल्यावर दुखते, कधीकधी काविळ | यकृत/पित्ताशयाचा आजार |
| | ब | क | ५,९ | क | | क | क | शौचामध्ये लहान-मोठे जंत पडतात.<br>तासातासाला पोटाचा वाढणारा आकार. | जंत/कृमी (लहान आतड्यात) |
| | ह | | ५ | उ | | | ब | पोट फुगत जाते, आतड्याचे आवाज सुरुवातीस जास्त नंतर<br>कमी होतात व बंद पडतात. तासातासाला पोटाचा वाढणारा आकार. | आतडी बंद |
| | ब | क | ४,५<br>६,९ | | क | ह | क | रक्त-शेंब, शौचास पातळ | हगवण, आमांश |
| | ब | क | ७,५ | क | क | | ब | दुखरेपणा | ॲपेंडीक्सची सूज |
| | क | ब | ८ | | | | क | फुगार दिसतो, दुखरेपणा असल्यास ताबडतोब रुग्णालयात पाठवा. | हर्निया/अंतर्गळ |
| | क | क | ४,६<br>९ | | क | ब | | रक्तशेंब व पातळ शौचास होणे, तात्कालिक किंवा दीर्घ आजार,<br>कधी जंतामुळे | मोठ्या आतड्याची सूज |
| क | ब | क | ४,५<br>६,८ | क | ब | | क | मूतखडा असल्यास जोराची कळ,<br>जंतुदोष असल्यास बहुधा गढूळ लघवी व उन्हाळी | .मूत्रपिंड -मूत्रमार्गदाह |
| | ह | क | ४,५<br>६,८ | | उ | | क | मूतखड्याच्या जागेप्रमाणे कळ/दुखणे | मूतखडा |
| | ब | क | ८ | | | क | क | मासिक पाळीच्या आधी २-३ दिवस किंवा पाळीत दुखते, नंतर थांबते. | मासिक पाळीचे दुखणे |
| | क | ब | ७,८<br>९ | | क | | क | काही वेळा दुखरेपणा, गर्भावस्था असल्यास विशेष धोका | स्त्री जनन संस्थेस सूज/पू |
| | | ह | ३ | क | | | | मलेरिया (हिवताप), कर्करोग किंवा हृदयाचा अशक्तपणा<br>यामुळे पांथरी वाढ, कधी कधी दुखरेपणा | पांथरी वाढ |
| | क | ब | ५ | क | ह | क | क | खूप ताप, थकवा, तापाच्या मार्गाने नाडी मंद, दुखरेपणा | विषमज्वर |
| | ब | | | | ह | उ | | पोटाचे स्नायू लाकडासारखे कडक होतात. खूप दुखरेपणा.<br>रोगी हालचाल न करता पडून राहतो. गंभीर आजार. | पोट सूज (उदर सूज) |